

Ghanaian folktales ✎  
Wiehan de Jager 🗣️ Tanvi Sirari 📖  
hindi / bokmål 🗣️  
nivå 3



Anansi og visdommen

अनासी और ज्ञान

Denne fortellingen kommer fra African Storybook ([africanstorybook.org](http://africanstorybook.org)) og er videreformidlet av Barnebok.no for Norge ([barnebok.no](http://barnebok.no)), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons

Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.

<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0/deed.no>

अनासी और ज्ञान / Anansi og visdommen  
barnebok.no  
Skrivet av: Ghanaian folktales  
Illustrert av: Wiehan de Jager  
Oversatt av: Tanvi Sirari (hi), Finn Stranger-  
Johannessen (nb)

Barnebok.no for Norge



बहुत पहले लोग कुछ नहीं जानते थे। उन्हें नहीं मालूम था कि फसल कैसे उगाते हैं, कपड़ा कैसे बुनते हैं, या लोहे के औजार कैसे बनाते हैं। भगवान न्यामे के पास आकाश में दुनिया का सारा ज्ञान था। उन्होंने उसे एक मिट्टी के बरतन में सुरक्षित रखा था।

...

For lenge, lenge siden visste ikke folk noen ting. De visste ikke hvordan man dyrket jorda, de kunne ikke veve tøy eller lage redskaper av jern. Det var guden Nyame oppe i himmelen som hadde all verdens visdom. Han gjemte den i en leirkrukke.



वो ज़मीन पर टुटकर बिखर गया। ज्ञान सबमे बाँटने के लिये आजाद हो गया। और इस तरह से लोगों ने सीखा: फसल उगाना, कपड़ा बुनना, लोहे के औजार बनाना, और बाकी सारी चीजे जो लोग करना जानते हैं।

...

Den gikk i tusen knas på bakken. Da ble det fritt for alle å dele visdommen. Og slik lærte folk å dyrke jorda, veve klær og lage redskaper av jern, og alle de andre tingene folk vet hvordan de skal lage.

En dag bestemte Nyame seg for å gi krukka med visdom til Anansi. Hver gang Anansi så i krukka lærte han noe nytt. Det var spennende!

...

एक दिन, स्यामं ने निरुपय लिया कि वो ज्ञान का बरतन अनान्सी को दे देगी। हर बार अनान्सी बरतन में देखता वो कुछ नया सीखता। ये बहुत रोमांचक था।



Snart var han oppe i toppen av treet. Men så stusset han og tenkte: "Det var jo jeg som skulle ha all denne visdommen, men nå var sønnen min lurene enn meg!" Anansi ble så sint at han kastet krukka ned fra treet.

...

बहुत जल्दी वो पेट के ऊपर पहुँच गया। लेकिन फिर उसने देककर सोचा, "मेरे पास सारा ज्ञान तो मेरे पास है, और मेरा बेटा मुझे ज़्यादा ही श्रेष्ठियार है।" अनान्सी डरना गिस्ता हुआ कि उसने मिट्टी का बरतन पेट से नीचे फेंक दिया।

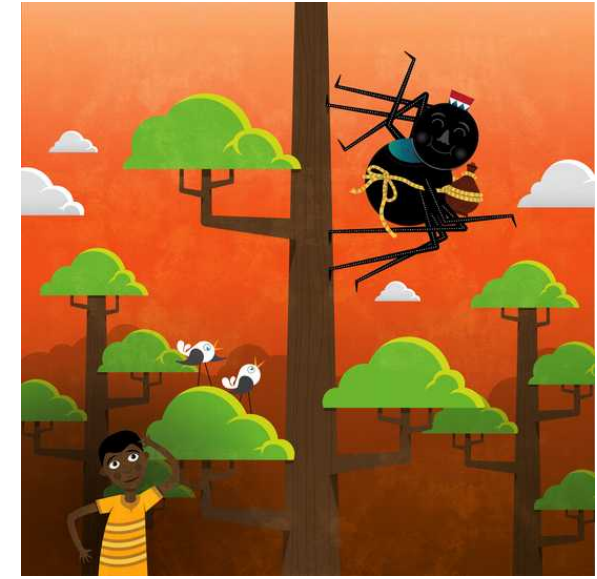




लालची अनान्सी ने सोचा, “मैं बरतन को एक लम्बे पेड़ के ऊपर सुराश्रित रख दूंगा। उसने एक लम्बा धागा बुना, उसे बरतन के चारो ओर लपेट दिया और अपने पेट से बाँध दिया। उसने पेड़ पर चढ़ना शुरू किया। लेकिन पेड़ पर चढ़ना मुश्किल था क्योंकि बरतन उसके घुटनो पर पूरे समय लगता रहा।

...

Grådige Anansi tenkte: “Jeg gjemmer krukka i toppen av et høyt tre. Sånn kan jeg ha den helt for meg selv!” Han spant en lang tråd, bandt den rundt leirkrukka og knyttet den om livet. Og begynte å klatre. Men det var vanskelig å klatre i treet med krukka som slo borti knærne hans hele tiden.



सारे समय अनान्सी का छोटा बेटा पेड़ के तले से देखता रहा। उसने कहा, “अगर आप बरतन को अपनी पीठ से बाँध लोगे तो चढ़ना आसान नहीं होगा?” अनान्सी ने ज्ञान से बरे बरतन को अपनी पीठ से बाँध कर देखा तो वो वास्तव में बहुत आसान था।

...

Den lille sønnen til Anansi hadde stått og sett på ved foten av treet. “Hadde det ikke vært lettere å klatre med krukka på ryggen i stedet?” sa han. Anansi prøvde å binde fast leirkrukka full av visdom på ryggen. Og da ble det jo mye lettere.